जीवनी

सबसे बड़ा शो मैन

गीत चतुर्वेदी

चैप्लिन, मूक फिल्म युग के सबसे प्रभावी कलाकार । आपने अपनी फिल्मों में अभिनय, निर्देशन, पटकथा, निर्माण और संगीत तक किया । एक शिशु कलाकार से लेकर 88 वर्ष की आयू तक वे फिल्मी दुनिया में सक्रिय थे। स्टेज पर चार्ली की पहली शो का अनुभव कवि तथा जीवनीकार **श्री.गीत चतुर्वेदी** जीवनी के रूप में यहाँ प्रस्तुत कर रहे हैं ।

चार्ली चैप्लिन ।

पूरा नाम	-	चार्ल्स स्पेंसर चैप्लिन
जन्म	-	16 अप्रैल 1889 लंदन में
पिता	-	चार्ल्स चैप्लिन सीनियर
माता	-	हन्ना चैप्लिन
कैरियर	-	सन 1899 से 1977 तक
पेशा	-	अभिनेता, निर्देशक, संगीतकार, संपादक, पटकथा लेखक, निर्माता
मशहूर फिल्में	-	द किड़ , द ग्रेट डिक्टेटर , मॉडेन टाईमस , सिटी लाईट्स , द सर्कस
निधन	-	25 दिसंबर 1977

1.

1. चार्ली की माँ का नाम क्या है ?
2. चार्ली की माँ स्टेज पर क्या कर रही थी ?
3. गाने के बीच में माँ की आवाज़ को क्या बदलाव आई ?
4. माँ की आवाज़ फटने पर लोग क्या करने लगे ?
5. '**बदल जाना**' के बदले में प्रयुक्त शब्द कौन सा है ?
6. मैनेजर किस केलिए ज़िद करने लगा ?
7. चार्ली ने स्टेज पर कौन सा गीत गाया ?
8. चार्ली ने बीच में गाना रोक दिया और घोषणा की ।
   चार्ली ने क्यों गाना रोक दिया ? उसने क्या घोषणा की ?
9. मैनेजर एक रुमाल लेकर आया और पैसे बटोरने लगा। उस समय चार्ली को क्या लगा ?
10. चार्ली को लगा कि मैनेजर खुद पैसे रख लेना चाहता है । उसने यह बात शिकायती लहजे में दर्शकों से कह दी । लिखें यह बात चार्ली ने दर्शकों से कैसे कहा होगा ?
11. चार्ली ने स्टेज पर क्या-क्या प्रकटन किए ?
12. दर्शकों ने चार्ली की तारीफ़ कैसे की ?
13. चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार । ऐसा क्यों कहा गया है ?

2. डायरी / दैनिकी

'गाते-गाते अचानक माँ की आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में तब्दील हो गई । लोगों को लगा कि मैक में कुछ खराबी आ गई है,पर फुसफुसाहट ज़ारी थी। लोग चिल्लाने लगे। कहीं से कुछ लोग म्याऊं-म्याऊं की आवाज़ निकालने लगे । इस अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को मज़बूर कर दिया ।'

पूरे दिन माँ परेशान थी । माँ के उस दिन की **डायरी** कल्पना करके लिखें ।

डायरी लिखते समय ध्यान दें ...

तारीख लिखें ।
लिखें ,पात्र या व्यक्ति के उस दिन कैसा था ?
पात्र या व्यक्ति के विचारों से गुज़रें।
पात्र या व्यक्ति के मनोभाव प्रकट करें ।
आत्मनिष्ठ भाषा में लिखें ।
उचित उपसंहार करें ।

मार्च

8

रविवार

पता नहीं आज मुझे क्या हुआ !
मेरी आवाज़.. । उफ़, मैं सोच भी नहीं सकती ।
कल तक कोई प्रोब्लम नहीं था । पर .. आज,
लोगों की चिल्लाहट, म्याऊं-म्याऊं की आवाज़ कानों से हटती नहीं । बापरे ! मैं क्या करूँ ... लगता है अब मैं गा नहीं सकती । मैनेजर की बात से बिलकुल डर गई थी , कि पाँच साल का मेरा बच्चा स्टेज पर क्या करेगा, पर भगवान उसने ही मुझे बचाया । मैनेजर की ज़िद से ही चार्ली स्टेज पर गया था । अब लगता है कि सब अच्छा ही हो गया ।

अब ,आप भी करें एक कोशिश...

' अंत में माँ जब उसे लेने आई तो दर्शकों ने देर तक खड़े होकर तालियाँ बजाई । कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ़ की । चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार ...'

चार्ली की माँ उस दिन बड़ी दुखी थी , पर दर्शकों की ओर से चार्ली की प्रशंसा सुनकर उनका मन खुशी से भर गया । चार्ली की माँ के उस दिन की संभावित **डायरी** कल्पना करके लिखें ।

3. **चिट्ठी / खत / पत्र**

डायरी केलिए जो प्रसंग है, उन्हीं प्रसंगों से चिट्ठी का सवाल भी आ सकता है । अपने मन की बातें डायरी में ही नहीं , अपने प्यारों से भी कह सकते न ?

'गाते-गाते अचानक माँ की आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में तब्दील हो गई । लोग चिल्लाने लगे।कहीं से कुछ लोग म्याऊं-म्याऊं की आवाज़ निकालने लगे । इस अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को मज़बूर कर दिया ।'

चार्ली की माँ ने अपनी परेशानी प्यारी सहेली रीता से कहना चाहा ।

रीता के नाम चार्ली की माँ का **पत्र** कल्पना करके लिखें ।

वॉलवर्थ

3 मार्च 1894

प्रिय मित्र रीता ,

तुम कैसे हो ? ठीक तो न ? बहुत दिनों से कुछ लिखना चाहती हूँ । कल एक खास घटना घटी , इसके बारें में कहने केलिए लिख रही हूँ ।

रीता, कल थिएटर में गीत गाने के बीच में पता नहीं, मेरी आवाज़ को क्या हुआ । आवाज़ फटने से गीत पूरा नहीं कर सकी । लोगों के अभद्र शोर से मैं परेशान हुई । मुझे स्टेज से हटना पड़ा । मेरी आवाज़ ने कितनी ही तालियाँ पाई थीं, पर अब... करियर में पहली बार ... । उफ़ ! लोगों की चिल्लाहट मन से हटती नहीं । लगता है अब मैं गा नहीं सकती । इतने साल आवाज़ से ही बच्चों को पाला था । पता नहीं चल रहा है ,अब क्या करूँ ?

अब ज्यादा नहीं लिखती हूँ, कुछ और बात बताने को है । अगली चिट्ठी में लिखूँगी । घरवालों को मेरा प्रणाम। कभी-कभी लिखा करो ।

प्यार से ,

तुम्हारी सहेली हेन्ना ।

सेवा में ,

नाम

पता

नमूना देखा, हाँ चिट्ठी में ...

स्थान तथा तारीख है ।
संबोधन है ।
स्वीकर्ता की हालत की पूछताछ है ।
खत की मुख्य बातें हैं ।
उचित उपसंहार है।
स्वनिर्देश है ।
सेवा में है ।

अब ,आप भी करें एक कोशिश...

' अंत में माँ जब उसे लेने आई तो दर्शकों ने देर तक खड़े होकर तालियाँ बजाई । कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ़ की । चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार ...'

चार्ली की माँ उस दिन बड़ी दुखी थी , पर दर्शकों की ओर से चार्ली की प्रशंसा सुनकर उनका मन खुशी से भर गया। चार्ली की माँ ने सारी बातें प्यारी सहेली जानसी से चिट्ठी के सहारे कहना चाहा । संभावित **पत्र** कल्पना करके लिखें ।

4. वार्तालाप / बातचीत / संवाद

मैनेजर ने चार्ली को माँ के कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा था और वह उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा । इस प्रसंग के आधार पर चार्ली की माँ और मैनेजर के बीच की **बातचीत** तैयार करें ।

वार्तालाप लिखने पर ध्यान दें ...

प्रसंगानुकूल होना है ।
पात्रानुकूल होना है ।
सरल और स्वाभाविक होना है ।
क्रमबद्ध होना है ।
कम से कम चार विनिमय होना है ।

सोचें ...

मैनेजर ने चार्ली की माँ से क्या-क्या बताए होंगे ?
चार्ली की माँ ने जवाब में क्या-क्या बताए होंगे ?

मैनेजर	-	अरे ,क्या हो गया ?
चार्ली की माँ	-	पता नहीं , गला खराब है ।
मैनेजर	-	शो का समय खतम नहीं है ।
चार्ली की माँ	-	दर्शकों के सामने मैं जा नहीं सकती ।
मैनेजर	-	बापरे , उनको मैं कैसे छुप करा दूँ !
चार्ली की माँ	-	लगता है ,अब मैं गा नहीं सकती ।
मैनेजर	-	एक काम कर, चार्ली को स्टेज पर भेज दो ।
चार्ली की माँ	-	चार्ली को...? बेचारा ,इस उग्र भीड़ को झेल पाएगा ?
मैनेजर	-	मैं ने उसका अभिनय देखा है । मुझे विश्वास है, वह कुछ करेगा ।
चार्ली की माँ	-	तो ज़रा आप उससे बात करके देखें ।

अब ,आप भी करें एक कोशिश...

'अंत में माँ जब उसे लेने आई तो दर्शकों ने देर तक खड़े होकर तालियाँ बजाई ।
कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ़ की ।'
इस प्रसंग के आधार पर चार्ली की माँ और एक दर्शक के बीच का **संवाद** तैयार करें ।

5. पोस्टर

अप्रैल 16 चैप्लिन के जन्मदिन के अवसर पर चाँदनी नगर ,दिल्ली टाऊन हॉल में चैप्लिन फिल्मोत्सव चल रहा है । इसकेलिए एक **पोस्टर** तैयार करें ।

यह कार्यक्रम का पोस्टर है ।

कार्यक्रम पोस्टर में

कार्यक्रम का नाम मोटे अक्षरों में हो ।
समय, तिथी, दिन, स्थान की जानकारी हो ।
कार्यक्रम की सूचना हो ।
आकर्षक हो ।

सहायक बिंदुओं के आधार पर आकर्षक **पोस्टर** तैयार करें।

* प्रवेश पास द्वारा ।

चैप्लिन फिल्मोत्सव

टाऊन हॉल
चाँदनी नगर
दिल्ली

2020
अप्रैल 16,17,18
शाम 5 - रात 8 बजे तक

द किड़ ,
द ग्रेट डिक्टेटर ,
मॉडेन टाईमस ,
सिटी लाईट्स ,
द सर्कस

6. **रपट**

' दुनिया के सबसे बड़े शो मैन का यह पहला शो था ।' इस घटना पर एक **रपट** तैयार करें ।

> **रपट लिखते समय ध्यान दें ...**
> रपट वस्तुनिष्ठ हो ।
> क्या, कौन, कब,कैसे, कहाँ आदि प्रश्नों से उत्तर देने लायक हो ।
> रपट में लेखक के अपना दृष्टिकोण प्रकट हो ।
> शीर्षक आकर्षक हो ।

तो आप इस **रपट** की पूर्ति करने की कोशिश करें ...

पाँच साल के बच्चे ने किया कमाल ; दर्शक रहे हैरान ।

वॉलवर्थ : गाने के बीच में आवाज़ फटकर स्टेज से हटने पड़े गायिका के बदले स्टेज पर आए पाँच साल के बच्चे ने कमाल का प्रकटन किया ।

---

7. **नमूने के अनुसार लिखें ।**

लोग चिल्लाते हैं ।	लोग चिल्लाने लगे ।
जनता चिल्लाती हैं ।	जनता चिल्लाने लगीं ।

माँ गीत गाती है ।	माँ गीत गाने लगती है ।
चार्ली गीत गाता है ।	----------

8. माँ की **आवाज़** फट गई ।
(आवाज़ शब्द के बदले **गला** शब्द जोड़कर वाक्य बदलकर लिखें । **)**

मैनेजर ने ज़िद की ।
(ज़िद शब्द के बदले **हठ** शब्द जोड़कर वाक्य बदलकर लिखें । **)**

कविता

अकाल और उसके बाद

नागार्जुन

हिंदी के प्रगतिशील साहित्यकार श्री. नागार्जुन की एक छोटी पर मार्मिक कविता है 'अकाल और उसके बाद ' । कविता के पहले भाग में कवि ने चूल्हा ,चक्की जैसे परिचित उपकरणों के माध्यम से अकाल के संकट का मार्मिक चित्रण किया है । दूसरे भाग में अकाल के खो जाने की खुशी को भी गहराई से वर्णित है ।

' कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुत्तिया सोई उनके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त ।'

अकाल के कारण सारे जीव-जंतू ही नहीं निर्जीव चीज़ें भी परेशान हैं । इसीसे हम अकाल की भयानकता समझ सकते हैं । दाना न होने से कई दिनों से चूल्हा जला ही नहीं और चक्की चली भी नहीं । बेकाम होकर चूल्हा रो रहा है और चक्की उदास है । एक आँखवाली कुत्तिया रोटी की उम्मीद में चूल्हा और चक्की के पास दिनों से थके सो रही है । दिनों से छिपकलियाँ कीडों की तलाश में दीवार से इधर-उधर घूम रही हैं । खाने की तलाश में चूहे भी पराजित हैं ।

' दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठीं घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद ।'

अकाल के बाद जब घर में दाने आए, सारा वातावरण ही बदल जाता है। कई दिनों के बाद चूल्हा खुश कि वह जलने लगा , आँगन के ऊपर धुआँ उठने लगा है । घर भर की आँखें चमक उठी कि आज खाना मिलें। धुआँ देखकर खाना मिलने की खुशी से अपने पंख खुजलाकर कौए भी तैयार है। हर कहीं अकाल खो जाने की तथा खाना मिलने की खुशी का माहौल है ।

कविता में प्रत्यक्ष रूप से मनुष्य का चित्रण न करके निर्जीव चीज़ों के मानवीकरण से और चूहे , छिपकलियों की परेशानी से कवि बिन बताए अकाल में मानव की भी परेशानी दिखाने में सफल हुए हैं ।

1. कविता में किस-किस निर्जीव चीज़ों के बारे में बताए गए हैं ?
2. कविता में चूल्हा तथा चक्की का मानवीकरण हुआ है । कैसै ?
3. कविता में किस-किस जीव-जंतुओं का जिक्र है ?
4. कुत्तिया की विशेषता क्या है ?
5. यहाँ, इन जीव और निर्जीव चीज़ों की परेशानी का कारण क्या है ?
6. भीत पर किसकी गश्त है ?
7. '**दीवार**' शब्द के बदले पंक्तियों में प्रयुक्त शब्द कौन सा है ?
8. कई दिनों से चूहों की क्या हालत है ?
9. '**पराजित**' शब्द के बदले पंक्तियों में प्रयुक्त शब्द कौन सा है ?
10. कविता की पहली चार पंक्तियों में किसका वर्णन है ?
11. घर भर की आँखें कब चमकने लगीं ?
12. कविता की दूसरी चार पंक्तियों में किसका वर्णन है ?

खंभे में लिखें

13. **अकाल** और **उसके बाद** का चित्रण कवि ने किस प्रकार किया है ?

अकाल	**अकाल के बाद**
1. चूल्हे का रोना	1. घर के अंदर दाने का आना
2.	2.
3.	3.
4.	4.

14. निम्नलिखित आशयवाली पंक्तियाँ कविता से ढूँढ़ निकालें ।
(क) कानी कुत्तिया, चूल्हा जलने तथा चक्की चलने की प्रतीक्षा में उनके पास कई दिनों से सो रही है ।
(ख) कई दिनों तक दाने की तलाश से चूहे पराजित हैं ।
(ग) दाने आए, कई दिनों के बाद आँगन के ऊपर धुआँ उठने लगा ।
(घ) कई दिनों के बाद घर भर की आँखें चमक उठीं ।
15. ' कानी कुतिया ' में विशेषण शब्द कौन सा है ?
16. 'अन्न अपव्यय न करें ,ज़रूरतमंद को दान करें ' का संदेश देते हुए एक पोस्टर तैयार करें ।

सहायक बिंदु

'अन्न अपव्यय न करें ,ज़रूरतमंद को दान करें '
अक्तूबर 16 विश्व खाद्य दिन ।
ध्यान रहे, कोई भूखे न रहे ।
खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग- भारत सरकार ।

कहानी

ठाकूर का कुआँ

प्रेमचंद

हिंदी और उर्दू के महान साहित्यकार प्रेमचंद जी की कहानी । सामाजिक समस्याओं पर आपकी बहुत सी रचनाएं हैं । जाति व्यवस्था के कारण अछूत माने गए दलित समाज की त्रासदी भरी कहानी है ' **ठाकूर का कुआँ** '।

कहानी के मुख्य पात्र गंगी समाज की निम्न दलित जाति की है। अपने गाँव के कुएं का गंदा पानी बीमार पति को पिलाने गंगी तैयार नहीं है । वह सारी पाबंदियों को तोड़कर ठाकूर के कुएं से पानी भर लेने का साहस करती है। रात के समय गंगी पानी लेने निकलती है ।

1. ठाकूर का कुआँ कहानी के मुख्य पात्र कौन-कौन है ?
2. जोखु क्यों लोटे का पानी पी नहीं सका ?
3. ठाकूर और साहू के कुएं से गंगी क्यों पानी नहीं ले सकती थी ?
4. जोखू की क्या हालत थी ?
5. गंगी ने जोखू को वह गंदा पानी क्यों पीने न दिया ?
6. गंगी कब ठाकूर के कुएं के पास पहूँची ?
7. महँगू को क्यों बुरी तरह मार खाना पड़ा ?
8. कुएँ पर किसी के आने की आहट हुई । गंगी की छाती धक-धक करने लगी । किसके आने की आहट थी ?
9. हम लोगों को आराम से बैठे देखकर जैसे मरदों को जलन होती हैं - यहाँ कौन सी समस्या चित्रित है ?
10. गंगी ठाकूर के कुएं से घड़े से पानी लेने लगी, घड़ा कुएं के मूँह तक आ पहूँचा । वह झुकी कि घड़े को पकड़कर जगत पर रखे.. । अचानक क्या हुआ ?
11. ठाकूर के वहाँ से भागकर अपना घर पहूँचा तो गंगी ने क्या देखा ?
12. गंगी, जोखू और ठाकूर की विशेषताएं अलग करके लिखें ।

गंगी	मजबूरियों को माननेवाला	
	बीमार	कमज़ोरियों से पीड़ित
जोखू	शेर से भी अधिक भयानक	
	पति को प्यार करनेवाली	
	निम्न जातिवालों को सतानेवाला	जाति में ऊँचे
ठाकूर	साहसी	मजबूरियों को न माननेवाली
	क्रांतिकारी सोच रखनेवाली	जाति में निम्न

13. ' जोखू ने लोटा मूँह से लगाया तो पानी में सख्त बदबू आई । गंगी से बोला - यह कैसा पानी है ? मारे बास के पिया नहीं जाता । गला सूखा जा रहा है और तू सड़ा पानी पिलाए देती है !'
प्रस्तुत प्रसंग पर जोखू और गंगी के बीच के **वार्तालाप** को आगे बढ़ाएं ।

जोखू - गंगी रे गंगी , कहाँ है तू ?
गंगी - आई । क्या बात है ?
जोखू - यह कैसा पानी है ? .....
गंगी - .....
जोखू - .....
गंगी - .....
जोखू - .....
गंगी - .....
जोखू - .....

14. ' जोखू ने लोटा मूँह से लगाया तो पानी में सख्त बदबू आई । गंगी से बोला - यह कैसा पानी है ? मारे बास के पिया नहीं जाता । गला सूखा जा रहा है और तू सड़ा पानी पिलाए देती है !'
प्रस्तुत प्रसंग के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य लिखें ।

15. घर पहूँचकर देखा कि जोखू लोटा मूँह से लगाए वही मैला-गंदा पानी पी पी रहा है ।
प्रस्तुत प्रसंग पर जोखू और गंगी के बीच का **वार्तालाप** पढ़ें ।

जोखू - गंगी ... तू आ गई ?
गंगी - आप ... वह गंदा पानी ...
जोखू - कि मैं , प्यास के मारे ... लगा कि मर जाऊँ ।
गंगी - (दुख से) हम आभागे ... और क्या करें
जोखू - क्या हुआ गंगी ?
गंगी - पानी हाथ आ ही रहा था कि , ठाकूर...
जोखू - बापरे , ठाकूर साहब तुझे देखा तो नहीं न ?
गंगी - नहीं । तभी कि मैं भाग चली ।
जोखू - बापरे , बच गई । पकड़ी गई तो ...
उफ़, सोच भी नहीं सकता !

अब इसके आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य लिखें ।

16. गंगी ने लोटा नाक से लगाया, तो सचमुच बदबू थी । ज़रूर कोई जानवर कुएं में गिरकर मर गया होगा, मगर दूसरा पानी आवे कहाँ से ?
' कोई जानवर कुएँ में गिरकर मर गया । ' यह समाचार अगले दिन के समाचार पत्र में आया । संभावित **समाचार रपट** तैयार करें ।

कुएँ में किसी जानवर की लाश ; गाँववाले परेशानी में ।

कानपूर : कुएँ में किसी जानवर की लाश पड़कर पेयजल खराब होने से गाँववाले परेशानी में । निम्न जाति के लोगों केलिए बस्ती में बस एक ही कुआँ है। पानी की बदबू से अब लोग परेशान है कि उनको ऊँचे जाति के लोगों के कुएं से पानी लेने की इजाजत नहीं है । सख्त बदबू के कारण पानी पी भी नहीं सकते । जाति में ऊँचे लोगों के व्यवहार से यहाँ के लोग निरंतर पीड़ित है । गाँववालों को शक है कि यह किसीने जानबुझकर ही किया है। गाँववालों ने थाने में शिकायत दी है।

अब ,आप भी करें एक कोशिश...

बेचारे महंगू को इतना मारा कि महीनों लहू थूकता रहा। इसलिए तो कि उसने बेगार न दी थी ।
महंगू की बुरी हालत पर अखबार में खबर आई । कल्पना करके समाचार रपट तैयार करें .

नहीं किया बेगार , मिला तनतोड़ मार ।

कानपूर :

समाचार में जोड़ें ...

महंगू ने क्या अपराथ किया था ?

महंगू किस जाति का है ?

महंगू को किसने मारा ?

अब महंगू का हाल क्या है ?

महंगू जैसे लोगों पर ऐसा क्यों चल रहा है ?

17. कोष्ठक के शब्द जोड़कर वाक्य पिरमिड़ की पूर्ती करें ।

(बीमार , गंदा)

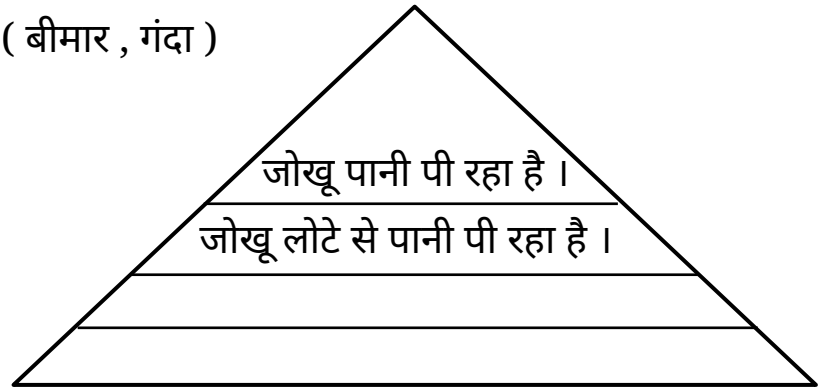

18. जोखू के चरित्र पर टिप्पणी लिखें ।

<u>चरित्र पर टिप्पणी लिखते समय ध्यान दें ...</u>

कहानीकार और कहानी का परिचय करें ।

संक्षिप्त रूप में पात्र के चरित्र परिचय से शुरू करें ।

पात्र के चरित्र पर प्रकाश डालनेवाने प्रसंगों या संवादों का उल्लेख करें ।

पात्र के विशेष मनोभावों का उल्लेख करें ।

प्रासंगिकता पर चर्चा करें ।

उचित शीर्षक दें ।

19. नमूने के अनुसार तालिका की पूर्ती करें ।

गंगी इंतज़ार करने लगी ।	जोखू इंतज़ार करने लगा ।
रोशनी कुएं पर आने लगी ।	प्रकाश कुएं पर .....।

गंगी चुपके से बैठी ।	गंगी को चुपके से बैठना पड़ा ।
जोखू ज़मीन पर लेटा ।	..... ।

20. मान लें आपके स्कूल में ' जाति प्रथा एक अभिशाप है ' विषय पर एक संगोष्ठी चलनेवाली है । इसकी सूचना देते हुए एक **पोस्टर** तैयार करें ।

21. जाति प्रथा एक अभिशाप है ' दुनिया एक , मानव एक ' का संदेश देते हुए एक **पोस्टर** तैयार करें ।

संदेश पोस्टर में ...

आकर्षक शीर्षक हो ।

दिनाचरण सूचित हो ।

विशेष संदेश हो ।

प्रस्तुतकर्ता की सूचना हो ।

'दुनिया एक, मानव एक'

अक़्तूबर 31

राष्ट्रीय एकता दिवस

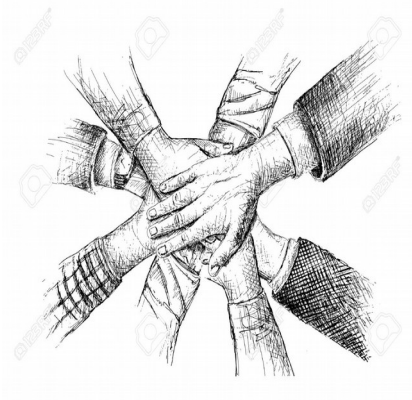

बने रखो एकता का मान ।

तभी बढेगी देश की शान ।।

- मानव कल्याण मंत्रालय – भारत सरकार -

22. पटकथा एक नमूना

दृश्य एक

(शाम का समय । निम्न जाति की बस्ती का एक कच्चा घर , लगभग पच्चास साल का जोखू अंदर पलंग पर लेटता है, धोती, बनियान पहना है । वह बीमार है । पत्नी गंगी लगभग पैंतालीस साल की, घर के काम में लीन है ।वह साड़ी पहनी है । प्यास से परेशान जोखू लोटे से पानी पीने के प्रयास में ।)

जोखू : (ऊँची आवाज़ में) गंगी...ओ गंगी , यह कैसा पानी ला रखा है तू...?

गंगी : क्या जी... क्या हुआ ? अभी आई ।

जोखू : यह कैसा पानी है...? मारे बास के पिया नहीं जाता ।

गंगी : बास...? वह कैसे ? दिखाओ ..

(लोटा नाक से लगाकर ।) उफ ! ठीक ही... यह क्या हुआ ? कल तो ऐसा कुछ न था , फिर आज क्यों ?

जोखू : वही बता रहा हूँ , गला सूखा जा रहा है ,और यह सड़ा पानी..

गंगी : लगता है, कुएं में कोई जानवर गिर मरा है ।

जोखू : दे थोड़ा पानी, मैं नाक बंद करके पीलूँ ।

गंगी : नहीं, खराब पानी से बीमारी बढ़ जाएगी, कुएं से दूसरा पानी लाए देती हूँ।

जोखू : (आश्चर्य से) लाएगी... कहाँ से ?

गंगी : ठाकूर और साहू के दो कुएं तो है ।

जोखू : हाथ-पाँव तुड़वा आएगी बैठ चुपके से ।

(गंगी कुछ सोचकर बाहर की ओर देखती रहती है ।)

23. गंगी के चरित्र पर टिप्पणी लिखें ।

सहायक बिंदू

कहानीकार मुँशी प्रेमचंद जी।

' ठाकूर का कुआँ ' कहानी की केंद्र पात्र ।

गरीब, निम्न जाति की ,साधारण गृहणी ।

रिवाज़ी पाबंदियों पर घोर विरोध रखनेवाली ।

“ हम क्यों नीच हैं और ये लोग क्यों ऊँच हैं ”।

क्रांतिकारी सोच रखनेवाली ।

साहसी- ठाकूर के वहाँ पानी लेने जाती है ।

आदर्श नारी पात्र ।